एकीकृत भुगतान इंटरफेस

3.1 पूर्व-अपेक्षाएं

1. सुनिश्चित करें कि आपका मोबाइल नंबर आपके बैंक के साथ पंजीकृत है और आपने उस पर मोबाइल बैंकिंग सुविधा शुरू करवा ली है।

2. यदि आपके पास पहले से खाता है और आपने अपना मोबाइल नंबर को बैंक में अपने खाते से लिंक नहीं करवाया है, तो

- आप अपने निकटतम बैंक शाखा में जाकर अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करवा सकते हैं।
- विकल्प के तौर पर आप किसी भी एटीएम में जाकर अपने बैंक खाता कार्ड (डेबिट, क्रेडिट आदि) का इस्तेमाल कर अपना मोबाइल नंबर पंजीकृत करने का विकल्प चुन सकते हैं ।

	भुगतानकर्ता/ विक्रेता (खरीदार)	प्राप्तकर्ता / व्यापारी
स्मार्ट फोन	यूपीआई आधारित बैंकिंग एप डाउनलोड करने एवं इसका इस्तेमाल करने के लिए।	यूपीआई आधारित बैंकिग एप डाउनलोड करने एवं इसका इस्तेमाल करने के लिए।
मोबाइल एप	यूपीआई सेवाओं का उपयोग करने के लिए गूगल प्ले स्टोर एवं एप स्टोर से डाउनलोड किया गया।	एप बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने के लिए गूगल प्ले स्टेर, एप से डाउनलोड किया गया।
फीचर फोन	काम नहीं करता क्योंकि इसमें कोई भी मोबाइल एप के डाउनलोड/ स्टोरेज की अनुमति नहीं होती।	काम नहीं करता क्योंकि इसमें कोई भी मोबाइल एप के डाउनलोड/ स्टोरेज की अनुमति नहीं होती।
बैंक खाता	प्राप्तकर्ता को निधियों के ट्रांसफर के लिए प्राप्तकर्ता के बैंक खाते/ खातों को जोड़े जाने की ज़रूरत है।	भुगतान प्राप्त करने के लिए।

	भुगतानकर्ता/ विक्रेता (खरीदार)	प्राप्तकर्ता / व्यापारी
आधार	वैकल्पिक विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में आधार संख्या का इस्तेमाल करके भी वीपीए बनाया जा सकता है।	वैकल्पिक यूपीआई (खाता संख्या + आईएफएससी या मोबाइल नंबर+ एमएमआईडी) या आधार नंबर देकर भी निधियों का अंतरण किया जा सकता है।
वर्चुअल भुगतान पता (वीपीए)	यूपीआई एप से धन का ट्रांसफर करने के लिए भुगतानकर्ता को एक विशिष्ट वीपीए बनाना ज़रूरी होगा।	आदर्श रूप में प्राप्तकर्ता को यूपीआई एप के ज़रिए धन प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट वीपीए बनाने की ज़रूरत पड़ेगी।
एमएमआईडी/ अन्य	अपेक्षित नहीं।	वैकल्पिक प्राप्तकर्ता को (मोबाइल नं. + एमएमआईडी के ज़रिए ट्रांसफर करने की दशा में ज़रूरी

	भुगतानकर्ता/ विक्रेता (खरीदार)	प्राप्तकर्ता / व्यापारी
पिन	अंतरण अधिकृत करने के लिए आपके लिए प्रत्येक बार एप लॉग इन और यूपीआई पिन ज़रूरी होगा। यूपीआई पिन सेट करते समय आपको ओटीपी की ज़रूरत पड़ेगी (यह एक बार में सम्पन्न होता है)	एप में सुरक्षित तरीके से लॉग इन करने के लिए परिचय विवरण
बैंक में पंजीकृत मोबाइल नंबर	भुगतानों की शुरुआत करने के लिए बैंक खाते को मोबाइल नंबर से लिंक किया जाता है।	खाते की आद्यतन स्थिति (अपडेट्स) प्राप्त करने के लिए मोबाइल पर बैंक खाते तक सफलतापूर्वक पहुँचने के लिए।
मोबाइल नंबर	सेवा प्रदाता के लिए ज़रूरी है कि वह निधियों के अंतरण को सहायता करें (एनटीएनएल, बीएसएनएल, एयरटेल वोड़ाफओन आदि)	मोबाइल नेटवर्क के ज़रिए खाते की आद्यतन स्थिति (अपडेट्स) के लिएबैंकिंग सेवाएँ जैसे एसएमएस, आईवीआर आदि।

	भुगतानकर्ता/ विक्रेता (खरीदार)	प्राप्तकर्ता / व्यापारी
इंटरनेट	निधियों के संबंधन में कार्रवाई करने के लिए भुगतानकर्ता एवं प्राप्तकर्ता के बीच ट्रांसफर प्रक्रिया।	एक से अधिक पक्षकारों के बीच बैंकिंग अंतरण निष्पादित करना।

3.2 निहित करना

3.2.1 एप डाउनलोड़ करना

I . अपने मोबाइल एप गैलरी से प्ले स्टोर खोलें।	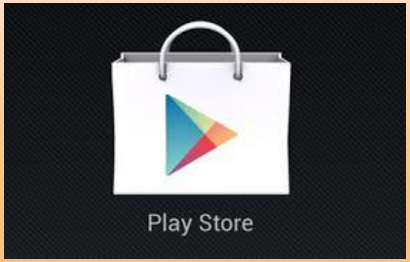
II. एप के लिए खोज करें. • आप जो विनिर्दिष्ट एप डाउनलोड करना चाहते हैं, उसका नाम सर्च बार पर टाइप करें (जैसे : यूपीआई एसबीआई बैंक एप, यूपीआई एसबीआई आदि)	

III. गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध कुछेक ऐसे एप, जो यूपीआई को सपोर्ट करते हैं, (संदर्भ के लिए)

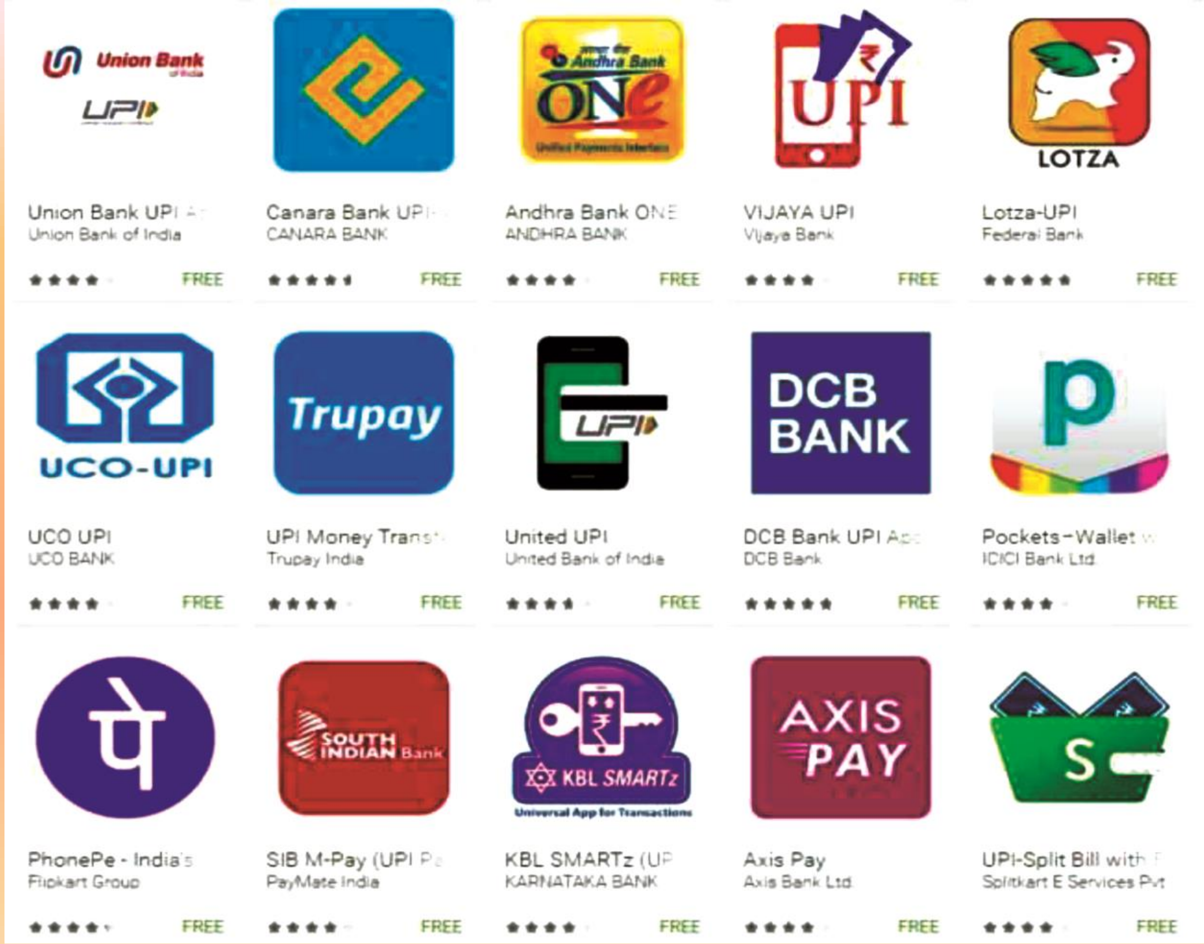

IV. अगर आपने यूटीआई एप प्रविष्ट कर लिया है, तो आपके द्‍वारा चयनित करने के लिए एक सूची प्रदर्शित होगी। प्रदर्शित एप्प्स की सूची में से उस एप का चयन करें, जिसे/ जिसका इस्तेमाल आप इस्टॉल/ इस्तेमाल करना चाहते है।	
V. इन्स्टॉल क्लिक करें	

VI एक्सेप्ट क्लिक करें।	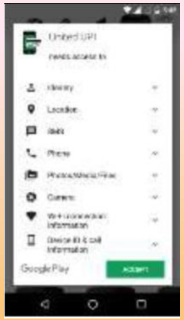
VII एप की डाउनलोडिंग एवं इंस्टालेशन प्रारंभ हो जाता है।	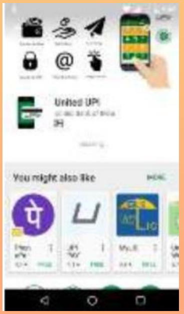
VIII आपकी एप गैलरी में एप आइकन प्रकट हो जाता है।	
∗ अपने फोन पर एप हासिल करने की वैकल्पिक पद्धति शेयरइट एप का इस्तेमाल करना है।	SHAREit

शेयर इट क्या है ?

शेयरइट एक वाई-फाई संगत डिवाइस से ऐसे ही दूसरे डिवाइस में फाइलों को अंतिरत करने का एक मुफ्त एप्लिकेशन है। प्रयोक्ता फोटो, वीडियो, संगीत, संपर्क सूची, एप और कोई भी अन्य फाइल सहित फाइलों को ट्रांसफर करने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

विशिष्टताएँ :

- ✓ मुफ्त एप्लिकेशन
- ✓ एंड्रायड, आईओएस, विंडोज़ फोन आदि के लिए उपलब्ध।
- ✓ तदर्थ (एडहॉक) वाईफाई कनेक्शनों द्वारा फाइल ट्रांस्फर करता है।
- ✓ ब्लू टूथ एवं एनएफसी की तुलना में कहीं अधिक तेज़ गति से काम करता है।
- ✓ फाइलों का सुरक्षित ट्रांसफर ।

3.2.2 अपने आपको एप पर पंजीकृत करें

- यदि आप दो सिम वाले मोबाइल डिवाइस का उपयोग कर रहे हैं, तो आप अपने बैंक खाते के साथ पंजीकृत सिम और नंबर का ही चयन सुनिश्चित करें। डिवाइस हार्ड बाइंडिंग का निर्माण करने के लिए एप्लिकेशन चुने गये सिम से (दो सिम वाले फोन की दशा में समान्यतया सिम 1) अपने आप एक एसएमएस भेजेगा (इस एप के माध्यम से जो भी अंतरण घटित होंगे, वे इस मोबाइल नंबर की मैपिंग के द्वारा किए जाएँगे। उदाहरण के लिए अंतरण को प्रमाणीकरण के लिए इस नंबर पर एर ओटीपी भेजा जाएगा।

I. अपने मोबाइल एप गैलरी से यूपीआई को खोलें	
II. मोबाइल नंबर के सत्यापन के लिए एसएमएस भेजने हेतु ओके क्लिक करें (दो सिम वाले फोन की दशा में सिम 1)	
III. ‘रजिस्टर’ पर क्लिक करें।	
IV. विवरण प्रविष्ट करें (जैसे कि पूछा जाए यथा : नाम, जन्मतिथि (डीओबी), ई-मेल आईडी	

- कुछ एप एक से अधिक विकल्प दे सकते हैं, जैसे कि फेसबुक या जी मेल लॉगइन। तदनुसार विवरण प्रविष्ट करें और सबमिट पर क्लिक करें ।

- आप अपने फोन पर एसएमएस के ज़रिए ओटीपी प्राप्त कर सकते हैं। ओटीपी प्रविष्ट करें और ओके/ कन्फर्म क्लिक करें।

* कुछ एप आपसे पहले बैंक खाते जोड़ने के लिए और फिर वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) का निर्माण करने के लिए कर सकते हैं। कुछ के लिए यह प्रक्रिया विलोम के रूप में भी हो सकती है।

सुरक्षा प्रश्न I. कुछ ड्रॉप डाउन मीन्यू में दिए गए सिक्योरिटी प्रश्नों में से 1 या 2 प्रश्नों का चयन करने विकल्प दे सकते हैं। II. आप किसी भी प्रश्न का चयन करें, उसका उत्तर दें (*इन उत्तरों को याद रखें या लिखकर रखें क्योंकि इन सुरक्षा प्रश्नों का पासवर्ड रिसेट करने के समय इस्तेमाल किया जाता है*)	
एप लॉगइन पासवर्ड को सेट करना यह कदम प्रारंभ में या कुछ कदमों के पश्चात प्रकट हो सकता है। i. प्रयोक्ता के लिए यूपीआई एप्लीकेशन का उपयोग (एक्सेस) करने के लिए एप लॉगइन पासवर्ड सेट करना ज़रूरी है।	

* **पासवर्ड एक विशेष वर्ण के साथ अक्षर तथा अंक से मिलकर बना होना चाहिए। अक्षरों में कम से कम एक कैपिटल अक्षर और एक स्मॉल (छोटा) अत्रर होना चाहिए। यथा** aBc_123

* **लॉगइन पासवर्ड की लंबाई कम से कम 6 अक्षरों की होनी चाहिए।**

* **अगली बार लॉगइन करने के लिए पासवर्ड याद रखें।**
* '?' पर क्लिक करके सहायता प्राप्त की जा सकती है।

ii. कंटिन्यू (Continue) पर क्लिक करें

iii. निजता नीति तथा नबंधन एवं शर्तों की जाँच करें

Iv. कंटिन्यू (Continue) पर क्लिक करें।

3.2.3 वर्चुअल भुगतान पता (वीपीए) वर्चुअल आईडी बनाना

i. आप अपनी विशिष्ट आईडी (आधार नंबर, मोबाइल नंबर, ई-मेल) को अपने वर्चुअल भुगतान पता (वीपीए) के रूप में चुन सकते हैं।

- ❖ एक वर्चुअल पते को बनाना एक ई-मेल आईडी बनाने जितना सरल है।

- ❖ एक वीपीए बनाने के लिए कोई मानदंड नहीं है। यदि एक वीपीए का पहले से ही इस्तेमाल किया गया है (एप अधिसूचित करेगा) तो आपको एक पृथक आईडी बनाने की ज़रूरत पड़ेगी।

- ❖ प्रयोक्ता एक से अधिक वीपीए भी बना सकते हैं।

* निधियों का ट्रांसफर करने के या इन्हें कलेक्ट करनेक लिए आप अपना वीपीए साझा कर सकते हैं। वीपीए अनन्य होता है।	

3.2.4 बैंक खाते को जोड़ना

* यह विकल्प प्रयोक्ता को अपने बैंक खाते जोड़ने में सक्षम बनाता है।

I. अपने बैंक का चयन करें)आपके मोबाइल नंबर से जुड़े दर्शित होते हैं) II. खाते का विवरण पहली बार दें।	

3.2.5 यूपीआई वर्चुअल आईडी को अपने बैंक खाता (तों) से जोड़ना

I. आपके मोबाइल नंबर से जुड़े खातों की सूची पिछले कदम (स्टेप) पर चयनित होती है।	
II. ड्रॉप-डाउन मीनू पर क्लिक करने से खातों की सूची दर्शित होती है।	
III. आप जिस खाते को लिंक करना चाहते हैं, उसका चयन करें।	
IV. वीपीए की लिमिट (अधिकतम संभव ट्रांसफर धनराशि)	

V. प्राथमिक (प्राइमरी) के रूप में सेट करें (एक से अधिक वीपीए की दशा मे) हां / नहीं और प्रस्तुत करें।	
VI. वीपीए सफलता पूर्वक जोड़ दिया जाता है।	
VII. एक बैंक के तहत खातों को सफलतापूर्व जोड़ दिए जाने के बाद एक संदेश निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित होता है : 'बैंक एडेड सक्सेसफुल्ली' (Bank Added Successfully') * अपने एक से अधिक बैंक खातों को उसी यूपीआई वर्चुअल पते के साथ लिंक करने के लिए प्रक्रिया दोहराएँ। * आप एक डिफाल्ट बैंक खाता चुन और सेट कर सकते हैं।	

3.2.6 अंतरण वैधीकृत करने के लिए अम-पिन सेट करना

(* उस स्थिति में, जब खाते के लिए कोई एम पिन सेट नहीं किया गया हो/ या उस स्थिति में जब एम पिन / मोबाइल बैंकिंग पंजीकरण बदल गया हो।

एम पिन बनाएँ	

i. एम पिन प्रविष्ट करें ii. डेबिट कार्ड नंबर (खाते से जुड़ा) का आखिरी 6 – अंक प्रविष्ट करें iii. अवसान (एक्सपायरी) का महीना एवं वर्ष प्रविष्ट करें। iv. ‘यस’ (YES) टाइप करें। v. एक ओटीपी जेनरेट होगा और पंजीकृत मोबाइल नं. पर भेज दिया जाएगा। vi. प्राप्त ओटीपी दर्ज करें।	
vii. एम पिन सफलतापूर्वक सेट हो जाएगा। अंतरण अधिकृत करने के लिए एम पिन पूछा जाएगा।	

3.2.7 लॉगइन

i. मोबाइल एप गेलरी में एप आइकन पर क्लिक करके एप खोलें।	
ii. सृजित लॉगइन पासवर्ड प्रविष्ट करें।	
iii लॉगइन पर क्लिक ऑन करें।	
iv यदि आप अपना पासवर्ड भूल गए हों, तो इसे 'फरगॉट पासवर्ड' पर टैप करके रिसेट करें।	
V यह आपसे सिम चुनने के लिए कहेगा (दो सिम वाले फोन की स्थिति में) उसका चयन करें, जिसके लिए आपने पंजीकरण किया है।	
Vi आपको उस पेज पर निर्देशित किया जाएगा, जहाँ आपसे यह 1 या 2 सिक्योरिटी प्रश्न पूछेगा, जो आपने पंजीकरण के समय सेट किया था।	

नमूना मेन डैश बोर्ड लुक

3.2.3 अंतरण

3.3.1 पैसे भेजना / भुगतान करना

- यह विकल्प प्रयोक्ता को एक लाभार्थी को धन भेजने की अनुमति देता है।

i. मोबाइल एप गैलरी से यूपीआई एप खोलें

ii. धन भेजना / भुगतान करना पर क्लिक करें।

iii. वीपीए चयनित करें (यह मोबाइल नं. आधार नं., ई-मेल आईडी या ग्राहकोनुकूलित वीपीए, जो आपने बनाया है, और जो आपके बैंक खाता (तों) से जुड़ा हुआ हो, हो सकता है।

iv. आप उस खाते का चयन करें, जिससे आप भुगतान करना चाहते हैं (एक से अधिक खातों की स्थिति में)

v. प्राप्तकर्ता का खाता चुनें, जोड़ें, (भुगतान ड्रॉप डाउन मीनू पर टैप करके 5 में से किसी एक तरीके के द्वारा किया जा सकता है) 1. लाभार्थी का वर्चुअल पता (वीपीए) या 2. लाभार्थी का खाता संख्या + आईएफएससी या 3. लाभार्थी का मोबाइल नंबर + एमएमआईडी या 4. आधार नंबर या 5. लाभार्थी की सूची – आप लाभार्थियों को बनाए रख सकते हैं ऐर इस विकल्प का उपयोग करके उन्हें चुन सकते हैं।	
vi . अंतरण का प्रयोजन / विवरण प्रविष्ट करें।	
VII. सबमिट / पे क्लिक करें।	
VIII. कन्फर्म पर क्लिक करें।	

ix. अंतरण अधिकृत करने के लिए एमपिन पूछा जाएगा। एमपिन प्रविष्ट करें और 'यस/नेक्स्ट/ओके पर क्लिक करें।	
x. स्क्रीन पर सफल संदेश एक पॉप एप के रूप में प्रदर्शित होगा।	

3.3.2 धन के लिए अनुरोध करना

(यह विकल्प प्रयोक्ता को किसी और से धन कलेक्ट करने की अनुमति देता है।)

i. कलेक्ट / रिक्वेस्ट पर क्लिक ऑन करें	
ii. प्राप्तकर्ता उस भुगतानकर्ता का वर्चुअल आईडी प्रविष्ट करता है, जिससे वह धन प्राप्त करेगा। या आप धन – प्रेषक का वीपीए प्रविष्ट कर सकते हैं या ड्रॉप डाउन मीनू से लाभार्थी सूची से चुन सकते हैं।	
i. उस बैंक/ खाते को चुनें, जिसमें आप धनराशि प्राप्त करना चाहते हैं।	
ii. उतनी धनराशि प्रविष्ट करने, जितनी आप प्राप्त करना चाहते हैं।	
iii. आप अंतरण विवरण की टिप्पणियाँ / विवरण प्रविष्ट कर iv. सकते हैं। (जैसे – दूध बिल, डॉक्टर बिल)	

Vi. सबमिट दबाएँ ।	
vii. कन्फर्म क्लिक करें ।	
viii. सफलतापूर्वक पूरे होने पर पॉप अप संदेश प्रदर्शित होता है ।	
ix. भुगतानकर्ता को धन के लिए आपका अनुरोध प्राप्त होगा।	

3.3.3 भुगतान अधिकृत करना (भुगतानकर्ता की ओर से)

लंबित अनुरोध (यह विकल्प प्रयोक्ता को प्राप्त लंबित कलेक्ट अनुरोधों की सूची देखने की अनुमति देता है।

i. डैशबोर्ड से पेंडिंग रिक्वेस्ट विकल्प पर क्लिक ऑन करें।	
ii. भुगतानकर्ता, प्राप्तकर्ता के रूप में आपके परिचयात्मक – विवरण की पहचान करेगा।	

iii. प्रविष्ट विवरण की समीक्षा करें।	
iv. भुगतानकर्ता को एप्रूव / रिजेक्ट पर क्लिक करना है।	
v. भुगतानकर्ता तब अपना यूपीआई एमपिन प्रविष्ट करेगा और यस पर क्लिक करेगा।	
vi. भुगतान प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सबमिट पर दबाएँ	
vii. आप एक एसएमएस के साथ अंतरण की पुष्टि प्राप्त करेंगे।	

3.3.4 अतिरिक्त सेवाएँ

3.3.4.1 खाता विवरणों को देखना	
1. प्रयोक्ता को अपना लॉगइन पासवर्ड बदलने में सक्षम बनाया जाता है।	
2. यह विकल्प प्रयोक्ता को अपना एमपिन बदलने में सक्षम बनाता है।	
3.3.4.2 बैलेंस की किस प्रकार जाँच की जाए।	
1. माई बैलेंस पर क्लिक करें।	

वीपीए और खाते को चयनित करें।	
3. बैलेंस इन्क्वायरी पर क्लिक करें।	
4. एमपिन प्रविष्ट करें।	
4. एमपिन प्रविष्ट करें।	
5. सबमिट / यस पर क्लिक करें।	
6. बैलेंस प्रदर्शित होगा।	

3.3.5. अंतरण / बैंक वितरण	
•यह विकल्प सभी प्रकारों के अंतरणों को देखने में सक्षम बनाएगा।	
3.3.5. अंतरण/बैंक वितरण यह विकल्प सभी प्रकार के अंतरणों को देखने में सक्षम बनाएगा (प्रयोक्ता द्वारा निष्पादित किए गए डेबिट क्रेडिट कार्ड और अन्य)	
ट्रांजेक्शन्स पर क्लिक करें	

2. उस अवधि का चुनाव करें, जिसके लिए अंतरण प्रदर्शित किए जाएंगे जैसे- आज का अंतरण, आखरी 5 / 10 दिनों का अंतरण या तारीख प्रविष्ट करें (उस स्थिति में, जब यह विनिर्दिष्ट अवधि के लिए हो - से (तारीख) और तक (तारीख)	
3. 'सबमिट' पर क्लिक करें	
4. स्क्रीन वस्तुस्थिति (सफल /लंबित) के साथ विवरण प्रदर्शित करेगा (राशि, तारीख, समय, संदर्भ संख्या विवरण आदि)	
3.3.6 आपके विवादों और शिकायतों का निवारण	
1. कम्प्लेंट स्टेटस / लॉग ए डिस्प्यूट / व्यू डिस्प्यूट पर क्लिक करें।	

2. आप तारीख की रेंज का चुनाव करके और दर्शित अंतरण उनकी सूची से चयन करके अपने अंतरण को दर्ज कर सकते हैं।	
3. अंतरण विवरणों की पुष्टि करें, विवाद या शिकायत के कारणों को प्रविष्ट करें और अपनी शिकायत दर्ज करने के लिए रेज़ कम्प्लेंट बटन को दबाएं।	
4. आपको एक पुष्टि संदेश प्राप्त होगा ।	

3.3.7 बारंबार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू)	
यूपीआई पर बारंबार पूछे जाने वाले प्रश्न और उत्तर	
3.3.8 एप एंड सेटिंग्स	
एप सेटिंग्स प्रयोक्ता को भाषा का चयन करने में सक्षम बनाता है। हमारा **एम्पावर** हिंदी और अंग्रेजी (या क्षेत्रीय भाषाओं) में उपलब्ध है।	

3.4. यूपीआई पर बारंबार पूछे जाने वाले प्रश्न

प्रश्न - यूपीआई क्या है ?

एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) एक ऐसी प्रणाली है, जो कई प्रकार की बैंकिंग विशिष्टताओं, बाधा रहित राउटिंग एवं मर्चेंट पेमेंट को एक छत के तले विलयित करके एक से अधिक बैंक खातों को एकल मोबाइल एप्लीकेशन (किसी भागीदार के बैंक के) में क्रियाशील कर देती है । यह ‘समकक्षीय’ कलेक्ट अनुरोध पर कार्रवाई करती है, जिसका समय निर्धारण किया जा सकता है और ज़रूरत एवं सुविधा के अनुसार भुगतान किया जा सकता है। करना जरूरी नहीं होता।

प्रश्न - यूपीआई प्रणाली द्‍वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं एवं विशिष्ट विशेषताएं क्या क्या है ?

नीचे सेवाओं की सूची दी गई है -

- मोबाइल डिवाइस के माध्यम से चौबीसों घंटे (24 * 7) और 365 दिन तत्काल धन अंतरण।
- विभिन्न बैंक खातों की अभिगम्यता के लिए एक मोबाइल एप्लीकेशन।
- एक क्लिक 2 फैक्टर प्रमाणीकरण - विनियामकीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थित फिर भी बाधा रहित एकल क्लिक भुगतान की अत्यंत कारगर विशिष्टता से युक्त।
- पुल एवं उसके लिए कस्टमर के वर्चुअल पते से और अधिक सिक्योरिटी मिलती है, लेकिन इससे कस्टमर के लिए कार्ड नंबर, खाता संख्या, आईएफएससी आदि जैसे विवरण की प्रविष्टि।

- दोस्तों के साथ बिल शेयरिंग।
- कैश ऑन डिलीवरी की परेशानी एटीएम तक की दौड़ लगाने या ठीक-ठीक राशि देने का सर्वश्रेष्ठ समाधान।
- सिंगल एप्लीकेशन या इन-एप पेमेंट्स के साथ मर्चेंट पेमेंट।
- विभिन्न प्रयोजनों के लिए पुश एवं पुल पेमेंट का समय-निर्धारण
- यूटिलिटी बिल भुगतान, काउंटर पर भुगतान, बार कोड (स्कैन एवं पे) आधारित भुगतान।
- दान, संग्रहण, संवितरण मापनीय।
- मोबाइल एप से सीधे शिकायत कर पाना

प्रश्न - एक यूपीआई ऐप हासिल करने के लिए मेरे लिए क्या अपेक्षित है ?

कोई भी स्मार्ट फोन प्रयोक्ता, जिसके पास यूपीआई भागीदार बैंक का एक खाता है एक एप डाउनलोड कर सकता है।

प्रश्न- कितने बैंकों ने एनपीसीआई के साथ गठजोड़ किया है या यूपीआई के लिए तैयार है ?

प्रारंभिक तौर पर 29 बैंकों ने शुरुआत करने के लिए एनपीसीआई के साथ किया है, हालाँकि अब तक 21 बैंक ही आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सफल रही हैं।

उपलब्ध एप (28 बैंक एप)

आंध्र बैंक एक्सिस बैंक (एक्सिस पे), बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारतीय महिला बैंक, केनरा बैंक (केनरा बैंक यूपीआई) कैथोलिक सीरियन बैंक, डीसीबी बैंक, फेडरल बैंक, आईसीआईसी बैंक (यूपीआई कलेक्ट) टीजेएसबी सहकारी बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी यूपीआई), कर्नाटका बैंक, यूको बैंक (यूको यूपीआई) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूनियन बैंक यूपीआई) यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, (पीएनबी यूपीआई), साउथ इंडियन बैंक, विजया बैंक, यस बैंक, एसबीआई एप तथा अन्य बैंक।

प्रश्न- क्या कोई उपभोक्ता के लिए यूपीआई का उपयोग कर निधि का भुगतान करने हेतु पंजीकरण करना आवश्यक है ?

हां, किसी भी उपभोक्ता को यूपीआई का उपयोग कर अपने खाते से निधि की कटौती करने से पूर्व अपने पीएसपी के साथ पंजीकरण करना होता है।

प्रश्न- क्या उपभोक्ता को यूपीए के माध्यम से लाभार्थी को अपने निधि का अंतरण करने से पूर्व पंजीकरण करना आवश्यक होता है लाभार्थी के किस तरह के विवरण की आवश्यकता होती है ?

नहीं, यूपीआई के माध्यम से निधि का अंतरण करने के लिए लाभार्थी का पंजीकरण आवश्यक नहीं है, क्योंकि यूपी के माध्यम से निधि अंतरण वर्चुअल आईडी/ मोबाइल नंबर + एमएमआईडी/ आधार क्रमांक आदि के आधार पर किया जाता है। (एप पर शुरू की गई सेवा के संदर्भ में भुगतान करने वाली बैंक और आपके पीएसपी की जांच अवश्य करें)।

प्रश्न- क्या उपभोक्ता को बैंक अकाउंट की आवश्यकता है अथवा यह कार्य कार्ड या फिर वैलेट से जोड़कर किया जा सकता है ?

नहीं, ग्राहक अपना वैलेट यूपीआई से नहीं जोड़ सकता बल्कि सिर्फ बैंक खाते जोड़े जा सकते हैं। यूपीआई मात्र बैंक खातों के बीच अंतरण सुविधा उपलब्ध कराता है, जबकि वैलेट और इस तरह के अन्य माध्यम उनके बीच अंतरण के लिए समर्थन नहीं करते।

प्रश्न- क्या यदि विभिन्न बैंक खाते मेरे एक ही मोबाइल से जुड़े हुए हों तो क्या मैं एक से ज्यादा यूपीआई अनुप्रयोगों का एक ही मोबाइल पर उपयोग कर सकता हूं ?

हां, कोई भी व्यक्ति एक से अधिक यूपीआई अनुप्रयोगों का एक ही मोबाइल पर उपयोग कर सकता है, चाहे वह समान बैंक अथवा विभिन्न बैंक खातों से जुड़े हुए हों।

प्रश्न- मैं यूपीआई अनुप्रयोगों में किस तरह पंजीकरण कर सकता हूँ?

पंजीकरण की विधि निम्नलिखित रूप से है -

- यूपीआई यूपीए अनुप्रयोग किसी बैंक अथवा ऐप स्टोर से डाउनलोड करें।
- जिसका खाता हो, उसके बारे में विवरण जैसे उसका नाम वर्चुअल आईडी (वर्चुअल भुगतान पता) पासवर्ड ।
- आदि जानकारी उसके प्रोफाइल के माध्यम से दर्ज करनी होती है।
- 'एड/ लिंक/ मैनेज बैंक अकाउंट' विकल्प पर जाएं और बैंक अकाउंट का क्रमांक अपने वर्चुअल आईडी के साथ दर्ज करें।

प्रश्न- वीपीए क्या है ?

वर्चुअल पेमेंट एड्रेस भुगतान प्रणाली के लिए दिया गया पता होता है। हमें वीपीए का उपयोग निधि अंतरण के लिए करना होता है। इसे बैंक अकाउंट विवरण के साथ पुनर्स्थापित किया जा सकता है।

प्रश्न- यूपीए की विशेषताएँ क्या हैं ?

आप इसे किसी भी समय चयनित और परिवर्तित कर सकते हैं। वीपीए एक बैंक खाते के पते से जुड़ा हुआ होता है। चूँकि यह आपका वास्तविक भुगतान पता नहीं होता, लेकिन यह आपके भुगतान पते के रूप में काम करता है। इसी कारण इसे वर्चुअल पेमेंट एड्रेस कहा जाता है।

- आप कई वर्चुअल पेमेंट एड्रेस रख सकते हैं
- आप जब चाहे तब इसे बदल सकते हैं
- दो वीपीए किसी भी स्थिति में समान नहीं हो सकते
- आप कई खातों को एक वीपीए के साथ जोड़ सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको अकाउंट डिफ़ॉल्ट पर सेट करना होता है।

प्रश्न- वीपीए के फायदे क्या हैं ?

- बैंक अकाउंट क्रमांक राशि प्राप्त करने के लिए नहीं दे सकते ।
- बैंक अकाउंट का क्रमांक अथवा आईएफसी की तुलना में इसे याद रखना काफी आसान है ।
- अधिक सुरक्षित करने के लिए आप जब कभी संदेह हो तब इस में परिवर्तन कर सकते हैं ।
- आप अपनी पसंद के अनुसार वीपीए प्राप्त कर सकते हैं ।

प्रश्न- क्या मैं अपना भी वीपीए बदल सकता हूँ ?

यह एड्रेस उपयोग करने के लिए काफी सुलभ है । आप जब चाहे तब इसे बदल सकते हैं।

प्रश्न- एम पिन क्या है ?

यह मात्र एटीएम के जैसा चार अंकों वाला एक पिन नंबर होता है, जो खास तौर पर मोबाइल अनुप्रयोग का उपयोग करते समय रुपए के लेन-देन के लिए अधिप्रमाणन हेतु सुरक्षा पासवर्ड के रूप में काम करता है।

प्रश्न- मैं इसका सृजन किस तरह से कर सकता हूं।

ग्राहक को यूपीआई पर किसी बैंक का मोबाइल एप का पंजीकरण करते समय स्वयं एमपिन का सृजन करना होता है। उपयोगकर्ता को अपने मोबाइल पर बैंकिंग यूपीआई एप इंस्टॉल कर पंजीकरण पूरा करने के बाद राशि के लेन देन के समय अधिप्रमाणन के लिए एम पिन का सृजन करना होता आवश्यक होता है।

प्रश्न- एम पिन का सृजन करने के अन्य विकल्प कौनसे हैं।

उपयोगकर्ता अपने जिस बैंक खाते से राशि का लेन-देन करना चाहता है, उसका चयन कर सकता है। उपयोगकर्ता को उपलब्ध विकल्पों में से एक का चयन करना होता है।

- मोबाइल बैंकिंग पंजीकरण/ सृजन का एम पिन
- जारीकर्ता बैंक द्‌वारा उपयोगकर्ता को उसके पंजीकृत मोबाइल क्रमांक पर 'वन टाइम पासवर्ड' अर्थात ओटीपी भेजा जाता है।
- उपयोगकर्ता को अपने डेबिट कार्ड के अंतिम 6 अंक और कार्ड की समाप्ति तिथि दर्ज करनी होती है।
- उपयोगकर्ता को अपने मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी तथा अधिमान्य अंक आधारित एमपिन दर्ज करना होता है (एमपिन वह अपनी इच्छानुसार सेट कर सकता है) इसके बाद सबमिट पर क्लिक करना होता है।

- सबमिट पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता को एक सूचना प्राप्त होती है (सक्सेसफुल/ डिक्लाइन)।

प्रश्न- निधि प्राप्त करने के लिए क्या लाभार्थी को भी यूपीए पंजीकरण करना होता है ?

वर्चुअल आईडी से लेन-देन के मामले में लाभार्थी का वर्चुअल आईडी होना आवश्यक होता है और वह यूपीआई पर भी पंजीकृत होना आवश्यक होता है, लेकिन यदि राशि का लेनदेन खाते+आईएफएससी अथवा मोबाइल + एमएमआईडी, आधार क्रमांक के माध्यम से लोन-देन करना हो, तो लाभार्थी का यूपीआई पंजीकरण आवश्यक नहीं होता । (कृपया एप पर सेवाएँ शुरू करने के लिए अपना पीएसपी और जारीकर्ता बैंक जांच लें।

प्रश्न- क्या मैं अपने एक बैंक खाते हैं को समान वर्चुअल एड्रेस के साथ जुड़ सकता हूं ?

हाँ, आप विभिन्न बैंक खातों को समान वर्चुअल एड्रेस के साथ जोड़ सकते हैं, जो संबंधित पीएसपी द्वारा कार्य के स्वरूप अथवा स्वरूपों पर निर्भर करते हैं।

प्रश्न- यूपीआई का उपयोग कर निधि अंतरण करने के विभिन्न मार्ग क्या हैं ?

यूपीआई का उपयोग करते हुए निधि अंतरण करने के विभिन्न मार्ग निम्नलिखित रूप से हैं-

वर्चुअल आईडी के माध्यम से अंतरण

खाता क्रमांक + आईएफएससी

मोबाइल क्रमांक + एमएमआईडी

आधार क्रमांक कलेक्ट/ पुल धन आधारित वर्चुअल आईडी।

प्रश्न- यदि खाते में किसी के नाम राशि अंतरण दर्ज किया गया, लेकिन वास्तव में राशि अंतरित नहीं हुई, तो?

यूपीआई तकनिकी अस्वीकृति के लिए वास्तविक आधार पर पुनर वापसी की सुविधा उपलब्ध कराता है और ऐसे में संबंधित खाते की रकम तुरंत उस खाते में वापस जमा की जाती है।

प्रश्न- क्या मैं यूपीआई के माध्यम से अंतरित निधि का भुगतान रोकने का आदेश दे सकता हूं ?

नहीं, एक बार भुगतान की पहल की जाने के बाद उसे रोका नहीं जा सकता।

प्रश्न- मैं यूपीआई के माध्यम से अंतरण के संदर्भ में शिकायत कहां दर्ज करवा सकता हूं?

आप यूपीआई द्वारा अंतरण से संबंधित शिकायतें दर्ज करवाने के लिए अथवा यूपीआई अंतरण की वर्तमान स्थिति जानने के लिए यूपीआई एप का उपयोग कर सकते हैं, जो संबंधित बैंक से संलग्न हो।

प्रश्न- वर्तमान में यूपीआई का उपयोग कर निधि अंतरण करने की अधिकतम सीमा क्या है?

यूपीआई के माध्यम से निधि अंतरण करने की सीमा फिलहाल 100000 रुपए तक है।

प्रश्न- यदि मैंने यूपीआई एप बदल दिया, तो क्या मुझे दोबारा पंजीकरण करना होगा अथवा उसी वर्चुअल एड्रेस से काम कना संभव है?

यदि यूपीआई एप बदल दिया गया, तो संबंधित व्यक्ति को अपना पंजीकरण दोबारा करना होता है और यह पीएसपी पर निर्भर करता है क्या वह सामान वर्चुअल आईडी उपयोग कर सकता है, तो आवश्यक जाँच के बाद उसे सुनिश्चित किया जा सकता है।

प्रश्न- यदि मुझे अपना पिन याद नहीं रहा तो क्या होगा ?

यदि कोई अपना पिन भूल गया, तो उसे नये पिन का दोबारा सृजन करना होता है।

प्रश्न- मैं अपना पिन कैसे बदल सकता हूं ?

मोबाइल पिन बदलने की प्रक्रिया निम्नलिखित रूप से है।

उपयोगकर्ता को अपना पुराना मोबाइल पिन नंबर दर्ज करने के बाद नया सुविधाजनक मोबाइल पिन नंबर (जो पिन नंबर बदल करना चाहता है) दर्ज करना होता है और उसके बाद उसे सबमिट पर क्लिक करना होता है।

सबमिट पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता को एक सूचना प्राप्त होती है (सक्सेसफुल अथवा फेलुअर)

प्रश्न- यदि मैंने अपना सिम कार्ड अथवा मोबाइल बदल दिया, तो क्या मैं यूपीआई का उपयोग कर सकता हूं?

यदि सिम कार्ड अथवा मोबाइल अथवा पीएसपी का अनुप्रयोग बदल दिया गया, तो उपयोगकर्ता को यूपीआई के लिए दोबारा पंजीकरण करना होता है।

प्रश्न- क्या मैं मोबाइल के सभी प्लैटफार्म पर यूपीआई का प्रयोग संभव है ?

हां, यूपीआई सभी एंड्रॉइड फोन पर उपलब्ध है और जल्दी ही यह आईओएस पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रश्न - यदि किसी भुगतानकर्ता से निवेदन प्राप्त हुआ, तो प्राप्ति निवेदन मंजूर करने की समय सीमा क्या है ?

प्राप्त निवेदन को मंजूर करने की समय सीमा निवेदनकर्ता को निर्धारित करनी होती है।

प्रश्न - यदि मेरे मोबाइल का उपयोग किसी अन्य द्वारा किया गया, तो क्या सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है ?

यूपीआई के माध्यम से किसी भी प्रकार का लेन-देन करते समय पिन नंबर दर्ज करना आवश्यक होता है, जो इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाता है।